UG 1st Semester Examination 2021

Hindi (General)

Paper - LC-1

(CBCS)

Full Marks :32 **Time-2 Hours**

1. निम्नलिखित में प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1×7=7

क. "पोथी पढ़ी पढ़ी जग मुआ... " यह प्रसिद्ध पंक्ति किसकी है

ख. हिन्दी' की कितनी उपभाषाएँ हैं?

ग. मैथिलीशरण गुप्त जी को उनकी किस रचना के आधार पर राष्ट्रकवि की उपाधि दी गई?

घ. रीतिकाल के किस कवि ने भक्ति, श्रृंगार और वीर तीनों में बराबर अधिकार से लिखा?

ड़. 'वर दे वीणावादिनी ' किसकी रचना है?

च. हिन्दी भाषा में लिखा गया हिंदी साहित्य का इतिहास का पहला ग्रंथ कौन सा है?

छ. 'आदिकाल' को बीजवपन काल की संज्ञा किसने दी?

2.निम्नलिखित में से किन्हीं तीन की संदर्भ व्याख्या लिखिए: 3×5=15

क. कस्तूरी कुंडल बसे मृग ढूँढ़े बन माहि।
ऐसे घटी-घटी राम हैं दुनिया जानत नाँहि।।

ख. मेरी भव-बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।
जा तन की झांई परै, श्यामु हरित-दुति होइ।।

ग. काट अंध- उर के बंधन- स्तर
बहा जननि, ज्योतिर्मय निर्झर,
कलुष- भेद- तम हर प्रकाश भर
जगमग जग कर दे!

घ. मैया! मैं नहिं माखन खायो।
जानि परै ये सखा सबै मिलि मेरो मुख लपटायो।।
देखि तुही छींके पर भाजन ऊँचे धरि लटकायो।।
हौं जु कहत नान्हें कर अपने मैं कैसै करि पायो।।
मुख दधि पोंछि बुद्धि इक कीन्हीं दोना पीठि दुरायो।।
डारि सांटि मुसुकाइ जशोदा स्यामहिं कंठ लगायो।।

बाल बिनोद मोद मन मोह्मो भक्ति प्रताप दिखायो।।
सूरदास जसुमति को यह सुख सिव बिरंचि नहिंपायो।।

ङः. . इन्द्रजिमिजंभ पर,बाडबसुअंभ पर
रावन संदर्भ पर, रघुकुल राज हैं
पौन बारिबाह पर, संभुरतिनाह पर,
ज्यौंसहस्रबाह पर राम-द्विजराज हैं।।

3 .निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए : 10×1=10

क. हिन्दी की उत्पत्ति और हिन्दी भाषा के विकास पर संक्षेप में विचार कीजिए।

ख. भक्तिकाल की सामाजिक एंव राजनीतिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालें।

ग.' वर दे वीणावादिनी ' शीर्षक कविता के मूल भाव को अपने शब्दों में लिखें।